# मौद्रिक नीति की मात्रात्मक सीमाएँ

//

# मौद्रिक नीति की मात्रात्मक लिखतें

# QUANTITATIVE INSTRUMENTS OF MONETARY POLICY

## चलनिधि समायोजन सुविधा ( LAF )

- **रेपो दर ( RR ):** वह दर जिस पर **भारतीय रिज़र्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है।** यहाँ, RBI **प्रतिभूतियों की खरीद** करता है।
- **रिवर्स रेपो दर:** वह **दर जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक देश के भीतर वाणिज्यिक बैंकों से धन उधार लेता है।** रेपो दर के के विपरीत।
- यदि RBI **सख्त मौद्रिक नीति** का संकेत देना चाहता है, तो वह **रेपो दर में वृद्धि** करेगा; बैंक अपनी **उधारी दरों में वृद्धि** करेंगे।

## बैंक दर

- यह एक **दीर्घकालिक दर** है (रेपो दर अल्पकालिक है) जिस पर केंद्रीय बैंक अन्य बैंकों को धन उधार देता है।
- **बैंक दर में वृद्धि से ऋण/जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि** होगी और इसी तरह इसमें कमी से ऋण/जमा पर ब्याज़ दरों में कटौती होगी।

## सांविधिक चलनिधि अनुपात ( SLR )

- SLR **जमाओं की न्यूनतम हिस्सेदारी** है जो वाणिज्यिक बैंकों को अभारित **सरकारी प्रतिभूतियों, नकदी एवं स्वर्ण जैसी सुरक्षित व चल आस्तियों में रखना होता है।**
- यदि RBI **मौद्रिक नीति को सख्त करना चाहता है, तो वह SLR में वृद्धि** करेगा।

## नकद आरक्षित अनुपात ( CRR )

- बैंकों को अपनी **जमा राशि का एक निश्चित हिस्सा RBI के पास नकदी के रूप में रखना आवश्यक** है।
- **CRR में वृद्धि के साथ ही बैंक ऋण की दरों में वृद्धि** कर देते हैं।

## खुला बाजार परिचालन (OMOs)

- इनमें बैंकिंग प्रणाली में **टिकाऊ चलनिधि को इंजेक्ट/अवशोषित करने के लिये** रिज़र्व बैंक द्वारा **सरकारी प्रतिभूतियों की एकमुश्त खरीद/बिक्री** शामिल है।

Drishti IAS

और पढ़ें...

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/quantitative-instruments-of-monetary-policy